दृष्टि The Vision

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E5**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Ratan Deep Gupta

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.):

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

88/250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. आंतरिक तथा बाह्य सुरक्षा देश की पहली आवश्यकता है। आप तब तक कोई योजना नहीं बना सकते जब तक कि सुरक्षा नहीं है।
   The first requirement in the country is external and internal security. You cannot have any plan unless there is security.

2. राजनीति तथा धर्म सदैव एक साथ चल सकते हैं।
   Politics and religion can always go together.

3. भारत में तकनीकी संस्थान: कुशल बेरोज़गार को उत्पन्न करने का कारखाना।
   Technical Institutes in India: Factory of producing skilled unemployed.

4. सामाजिक सुरक्षा कुछ नहीं परंतु एक प्रसंविदा है।
   Social security is nothing but a covenant.

डा. कलाम का मानना था कि शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों का एकीकरण भारतीय पुनर्जागरण का तृतीय चरण होना चाहिए। 21वी सदी के भारत में एक विशाल युवावर्ग अपनी क्षमताओं से देश की समृद्धि में योगदान करने को आतुर दिखता है।

यह आतुरता देश के इस 2/3 जनसंख्या

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जो कि 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं की है, के रूप में देखी जा सकती है। ये युवा भारत के आने वाले सुनहरे कल के प्रकाश पुंज हैं।

भारत के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विकास की जिम्मेदारी इस युवाओं के कंधे पर है। स्पष्ट है कि इस युवाओं को भी शैक्षिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से दक्ष एवं राजनीतिक रूप से परिपक्व होना चाहिए। इसके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है कि इन युवाओं को समुचित रोजगार उपलब्ध हो।

रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से भारत में प्राथमिक क्षेत्र, मुख्यतः कृषि का बोलबाला रहा है। देश की 50% से अधिक जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के लिए कृषि पर निर्भर है। स्पष्ट रूप से यहाँ व्यापक 'छिपी हुई बेरोजगारी' विद्यमान रही है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में मैन्यूफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र द्वारा जी.डी.पी. का बहुलांश (3/4 से अधिक) योगदान किया जाता है परन्तु इन क्षेत्रकों द्वारा समानुपातिक रूप से रोजगारों का सृजन नहीं होता है।

इस परिदृश्य में भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए उपरोक्त क्षेत्रकों में युवाओं को रोजगार के अधिक एवं नये अवसर उपलब्ध कराने की चुनौती है।

इस चुनौती का सामना करने के लिए देश में लाखों छोटे-बड़े तकनीकी संस्थान काम कर रहे हैं। इन संस्थानों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक ओर तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है तो वहीं उनका कौशल विकास भी किया जाता है।

भूमिका को थोड़ा छोटा किया जा (?) सकता

परन्तु विडम्बना यह है कि इन संस्थानों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वारा शिक्षा प्राप्त करके युवाओं के समक्ष रोजगार प्राप्त करने की विषम चुनौती वर्तमान आर्थिक परिदृश्यों में दिखाई देती है।

हालात यह है कि तकनीकी शिक्षा के इन संस्थानों को कुशल बेरोजगार उत्पन्न करने के कारखानों की संज्ञा तक दी जाती है। हमें, आज, इन कारणों पर गंभीर विचार करना होगा कि आखिर यह परिस्थिति क्यों उत्पन्न हुई ?

यदि व्यापक तौर पर विभाजित करें तो हम संस्थागत कारण एवं आर्थिक तथा नीतिगत कारणों के रूप में उपरोक्त परिस्थिति की समीक्षा कर सकते हैं।

यदि भारत के लाखों छोटे-बड़े तकनीकी संस्थानों पर दृष्टि डालें तो कुछ सामान्य दोष उभरते हैं। तकनीकी अवसंरचना की कमी यथा लैब्स, इक्विपमेंट्स इत्यादि का अभाव, पुराने

अन्य कारण
- शिक्षा का व्यवसायीकरण
- भ्रष्टाचार
- राजनैतिक हस्तक्षेप इत्यादि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पाठ्यक्रम जिनमें समय के साथ परिवर्तन नहीं किया गया है, अस्थायी एवं संविदा शिक्षकों द्वारा अध्यापन, शिक्षा की गुणवत्ता के उचित मूल्यांकन तंत्र का अभाव तथा इंडस्ट्री-अनुरूप कोर्सेज का संचालन न किया जाना प्रमुख है।

इसके साथ शिक्षा में व्यवसायीकरण पर जोर, खराब शिक्षक-छात्र अनुपात तथा छात्रों की रुचि के विपरीत माता-पिता एवं समाज के दबाव में तकनीकी छात्रों की ओर रुख करना भी अन्य कारण है।

यदि आर्थिक एवं नीतिगत कारकों पर मंथन करें तो छात्रों में इंडस्ट्री की माँग के अनुरूप "राइट स्किल सेट" का न होना एक प्रमुख कारण है। विभिन्न सर्वेक्षणों में यह तथ्य सामने आ चुका है कि अधिकांश भारतीय स्नातक नौकरी करने के लिए आवश्यक स्किल्स नहीं रखते हैं।

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके साथ ही देश की आर्थिक परिस्थितियाँ भी इसके लिए उत्तरदायी है। उदाहरण स्वरूप प्रत्येक वर्ष देश में 1.5 करोड़ नये लोगों को रोजगार चाहिए परन्तु वर्ष 2014-15 में केवल 1.5 लाख नये रोजगार सृजित हो सके हैं।

इसके साथ ही तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद स्वरोजगार/उद्यम को बढ़ावा न देकर 'जॉब चाहने वाला' बनने की सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रवृत्ति भी इसके लिए उत्तरदायी है। डा. कलाम का विचार था कि हमारे युवाओं को 'जॉब सीकर्स' नहीं 'जॉब गिवर्स' होना चाहिए।

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियाँ भी वर्तमान में संरक्षणवाद को बढ़ावा देती दिख रही है। उदाहरणस्वरूप ब्रिटेन का कठोर आव्रजन नियम अब भारत के आई.टी. पेशेवरों (जो कि इनके सबसे बड़े लाभकर्ता समुदाय थे) के लिए भारत से बाहर रोजगार के अवसरों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को कम करेगा।

हाल के समय में सरकार द्वारा किये गये विमुद्रीकरण एवं जी.एस.टी. के लागू करने से भी कुछ समय के लिए जॉब क्रिएशन की दर मंद होने का अंदेशा है।

प्रभाव

समग्रतः तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं को रोजगार की उपलब्धता अति आवश्यक है अन्यथा यह चुनौती अनेक सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक समस्याओं को जन्म दे सकती है।

युवाओं में बढ़ता तनाव, अनिद्रा एवं आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियाँ एक स्वस्थ समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। यदि हम अपने जनांकिकीय लाभांश को समुचित रोजगार प्रदान कर उत्पादक कार्यों में नहीं लगा सके तो यह ऊर्जा अलगाववाद, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद जैसे नकारात्मक कार्यों को बढ़ावा देगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बेरोजगारी की स्थिति तकनीक का अयोग अनैतिक कार्यों यथा हैकिंग, डाटा ब्रीच जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है।

आर्थिक विषमता को बढ़ावा देने के साथ ही समग्र रूप से भारत के आर्थिक विकास की गति मंद पड़ सकती है।

अतः इन चुनौतियों से समग्र रूप से निपटने के लिए सरकार, गैर सरकारी संगठनों, तकनीकी संस्थानों, इंडस्ट्री तथा शिक्षकों एवं छात्रों सभी के गंभीर एवं सम्मिलित प्रयासों की आवश्यकता है।

सरकार ने स्टार्ट अप इंडिया, स्टैण्ड अप इंडिया स्कीम के माध्यम से स्टार्ट अप संस्कृति के विकास को बढ़ावा दे रही है। इससे अधिक से अधिक तकनीकी दक्ष युवा स्वयं नये रोजगार उत्पन्न कर सकेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उच्च तकनीकी संस्थानों के लेक्चर्स को यथा आई.आई.टी के कक्षा लेक्चर्स को देश भर के विभिन्न संस्थानों में प्रसारित करने का प्रयास किया जा रहा है।

हायर एजुकेशन फाइनेंस एजेन्सी के माध्यम से उच्च तकनीकी एवं प्रबन्धन संस्थानों के वित्तपोषण की व्यवस्था की गई है।

फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्रों को वैश्विक अनुभव से युक्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

इम्प्रिन्ट इण्डिया, सेतु (SETU), एवं प्रधानमंत्री कौशल भारत मिशन इस तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार को एकीकृत कर उत्कृष्ट बनाने के अन्य आयाम हैं।

इसके अतिरिक्त उद्योगों को यह प्रयास करना चाहिए कि वे अपने सी.एस.आर (CSR) का उपयोग युवाओं की कुशलता एवं दक्षता को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बनाने के लिए करे। आर्थिक सर्वेक्षण 2016 में लेदर एवं कपड़ा उद्योग को व्यापक रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित करते हुए इसके तकनीकी उन्नयन की बात की गई है, इस दिशा में अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

भारत में तकनीक एवं विज्ञान के कुछ अति उत्कृष्ट संस्थान मौजूद है। आई.आई.टी., आई.आई.एस., इनके प्रत्यक्ष प्रमाण है। भारत में प्रतिभाओं की भी कमी नहीं है.- इसरो, डी आर डी ओ ने साल दर साल सिद्ध किया है। नासा के 37% इंजीनियर एवं वैज्ञानिक भारतीय मूल के है।

यदि सुंदर पिचाई, सत्या नडेला विश्व की शीर्ष तकनीकी कम्पनियों के मुखिया बन सकते है, तो हमारे अन्य संस्थान एवं छात्र भी उत्कृष्टता के पैमाने पर स्वयं को सिद्ध कर सकते है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हमें अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना है और स्वामी विवेकानंद की इन पंक्तियों को अपना ध्येय वाक्य बनाना होगा कि -

" समस्त शक्ति तुम्हारे अंदर है, तुम सब कुछ कर सकते हो, उठो! जागो, और तब तक चैन न लो जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये।"

→ पैराग्राफ ज्यादा छोटे-2 न लिखें, सुसंबद्धता के अनुसार पैराग्राफ में बदलाव करें।

good

48

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. कर्त्तव्य के बिना अधिकार ठीक उसी समान हैं जैसे उत्तरदायित्व के बिना सत्ता।
   Rights without duty are same as authority without responsibility.

2. सत्याग्रह पर आधारित युद्ध सदैव दो प्रकार के होते हैं। पहला है अन्याय के विरुद्ध युद्ध और दूसरा हमारी स्वयं की दुर्बलता से लड़ाई।
   A war based on Satyagraha is always of two kinds. One is the war against injustice and the other we fight our own weaknesses.

3. रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है।
   Job creation is the biggest challenge.

4. स्वच्छ आत्मा, मस्तिष्क एवं शरीर भारत की सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक बुराइयों से लड़ने के नए हथियार हैं।
   Clean Soul, Mind and Body are new vendettas for fighting social, political and economical evils of India.

स्वच्छ शरीर एवं स्वस्थ शरीर को ही हमारे धर्मशास्त्रों में धर्म का सार का माना गया है। शरीर ही धर्म की समस्त क्रियाविधियों का आधार होता है।

धर्म सत्य, परोपकार एवं मानवकल्याण की राह दिखाता है और इन सभी कर्त्तव्यों की पूर्ति का माध्यम शरीर को मानता है। इसीलिए कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।

एक व्यक्ति का शरीर और मस्तिष्क तभी स्वच्छ हो सकते है जब उसकी आत्मा स्वच्छ हो। आत्मा की स्वच्छता का तात्पर्य व्यक्ति के अपने कर्तव्यों के पालन एवं ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता जैसे नैतिक आयामों से युक्त होने से है।

किसी देश के नागरिकों की शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक स्वच्छता उस देश के सामाजिक विकास, आर्थिक सक्षमता एवं राजनीतिक सुदृढ़ता का मार्ग प्रशस्त करती है।

यदि भारत का संदर्भ देखे तो यह तथ्य एकदम सटीक बैठता है। आज का भारत अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

समस्याओं से घिरा हुआ दिखता है।

भारत के वर्तमान समाज में महिलाओं को विभिन्न भेदभाव, छेड़छाड़, यौन हिंसा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। भारत के वृद्धों की समस्याएँ भी निरंतर बढ़ती जा रही है। एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति, ज्वाइंट फैमिली का विखण्डन, आर्थिक सुरक्षा का अभाव जैसी समस्याएँ विद्यमान है।

इसी प्रकार समाज में दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार दिव्यांगों के साथ होने वाले भेदभाव, मद्यपान एल.जी.बी.टी. समुदाय के साथ भेदभाव, बच्चों के साथ विभिन्न अपराध इत्यादि भी बढ़ते जा रहे हैं।

एक ही पैराग्राफ में लिखा जा सकता है। - क्रमबद्धता के साथ

सामाजिक समस्याएँ, आर्थिक समस्याओं की कारक एवं परिणाम दोनों होती है। भारत में बढ़ती आर्थिक विषमता (आक्सफैम की

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रिपोर्ट 2017 के अनुसार देश के 50% संसाधनों पर 1% लोगों का कब्जा है), विद्यमान गरीबी (देश की 22% जनसंख्या बी.पी.एल. है) एवं बेरोजगारी इन समस्याओं में प्रमुख है।

Good

देश के विभिन्न क्षेत्रों यथा उत्तर-पूर्व एवं जम्मू कश्मीर में अलगाव-आतंकवाद तो वही मध्यभारत में नक्सलवाद जैसी गंभीर राजनैतिक चुनौतियाँ विद्यमान है।

समय-समय पर देश को सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद एवं दंगों जैसी विभीषिका से भी गुजरना पड़ा है।

इन सभी सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक बुराईयों पर विजय प्राप्त करने का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रयास हम आज तक विभिन्न माध्यमों से करते रहे हैं परन्तु स्वच्छ आत्मा, मस्तिष्क एवं शरीर इनसे लड़ने के नये हथियार साबित हो सकते हैं।

स्वच्छ आत्मा से युक्त नागरिक अपने कर्त्तव्यों का समुचित पालन करेगा। गांधी जी ने भी कहा है कि यदि हम अपने कर्तव्यों का परिपालन करें तो हमें अपने अधिकार स्वतः ही उपलब्ध हो जायेंगे। ऐसे में नागरिकों के कर्तव्यों एवं अधिकारों की स्वतः पूर्ति होगी।

स्वच्छ आत्मा व्यक्ति को नैतिक मानदंडों के पालन की प्रेरणा देता है। ऐसे में व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाचार जैसे कुकृत्यों से बचा जा सकेगा। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग भी कानूनों के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के साथ साथ नैतिक मानदण्डों पर अधिक बल देता है।

स्वच्छ आत्मा से युक्त व्यक्ति चोरी, व्यभिचार, इत्यादि से भी दूर रहेगा इससे महिलाओं एवं बच्चों के प्रति अपराधों में भी कमी आयेगी।

स्वच्छ आत्मा, स्वच्छ मस्तिष्क का पोषक होती है। एक तार्किक मस्तिष्क सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद जैसी समस्याओं से उचित प्रकार से निपट सकेगा।

जड़वाद एवं अतार्किक रूढ़ियों को उखाड़ के फेक सकने की क्षमता एक स्वच्छ मस्तिष्क में ही होती है। स्वच्छ मस्तिष्क ही महिलाओं, वृद्धों एवं दिव्यांगों को सम्मान देगा एवं उनके खिलाफ हो रहे भेदभावों का

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुरजोर विरोध भी करेगा।

स्वच्छ मस्तिष्क सही आर्थिक गतिविधियों को जोखित करेगा, सही जनप्रतिनिधि का चुनाव करेगा एवं अपने आत्मबल पर भरोसा कर देश को विकास के मार्ग पर अग्रसारित करेगा।

इसी प्रकार स्वच्छ शरीर अपनी पूर्ण उत्पादकता का प्रयोग कर सकेगा, बीमारियों पर खर्च कम होगा। सोचने एवं समझने की अकुण्ठ क्षमता का विकास होगा। स्वास्थ्य सेवाओं पर कम व्यय का उपयोग अन्य क्षेत्रों पर किया जा सकेगा।

समग्र रूप से स्वच्छ आत्मा, शरीर एवं मस्तिष्क भारत के मानव विकास को

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समावेशी, संतुलित एवं सतत बनायेंगे।

आज आवश्यकता है कि भारत के नागरिकों द्वारा स्वच्छता के इन आयामों को अपनाया जाये।

यदि प्रत्येक नागरिक एक कदम उठायेगा तो सम्पूर्ण भारत 125 करोड़ कदम आगे बढ़ जायेगा और भारत 21वीं सदी का सितारा बन कर उभरेगा।

अच्छा प्रयास

4.0

* एकरूपता बनाए रखने के लिए ज्यादा छोटे, पैराग्राफ लिखने से बचें।
* निबंध का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है तथा यह एकरूपता, क्रमबद्धता, सुसंबद्धता इत्यादि से अपना मार्ग प्रशस्त करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation